केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया
R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 24 बुधवार 12 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मध्य रात्रि से हट जायेंगे यातायात प्रतिबंध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जिले में पांच दिनों से जारी कांवड़ यात्रा अब समापन की ओर है। मंगलवार मध्यरात्रि से फोरलेन और शहर के प्रमुख मार्गों पर कांवड़ यात्रा को लेकर लागू किए गए यातायात प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था सामान्य करने की तैयारी पूरी कर ली है। पुलिस के अनुसार मंगलवार रात 12 बजे से फोरलेन पर कांवड़ यात्रा के चलते लगाए गए सभी प्रतिबंध समाप्त हो जाएंगे। इसके बाद सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही सामान्य रूप से शुरू हो सकेगी। कांवड़ियों की संख्या में लगातार कमी आने के बाद यातायात व्यवस्था बहाल करने का निर्णय लिया गया है।

शहरी क्षेत्र में बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर लागू रूट डायवर्जन भी मंगलवार रात से समाप्त कर दिया जाएगा। इसके बाद इन मार्गों पर सामान्य यातायात बहाल हो जाएगा। पिछले कई दिनों से वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों से आवागमन करना पड़ रहा था।

अयोध्या से सरयू नदी का जल लेकर बाबा भदेश्वरनाथ धाम पहुंचने वाले कांवड़ियों का आगमन 7 अगस्त से शुरू हुआ था। 10 अगस्त तक बड़ी संख्या में कांवड़िए जिले में पहुंचे। धार्मिक आयोजन पूरा होने के बाद अब कांवड़ियों की वापसी शुरू हो गई है।

मंगलवार सुबह फोरलेन पर कांवड़ियों की संख्या कम दिखाई दी, हालांकि लौटने वाले कांवड़ियों की आवाजाही जारी रही। यातायात प्रतिबंधों के हटने के बाद आम लोगों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सामान्य रूप से संचालित करने की तैयारी पूरी कर ली है।

सुमन सिंह ने चलाया हर घर तिरंगा अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रूधौली स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य सुमन सिंह ने रुधौली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में तिरंगा लगाया। उन्होंने सल्टौआ, सोनहा, भानपुर सहित कई प्रमुख चौराहों, बाजारों और दुकानों पर पहुंचकर लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया।अभियान के दौरान सुमन सिंह ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से संवाद करते हुए स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने पार्टी की नीतियों और विचारधारा को बेहतर बताते हुए कहा कि पार्टी हमेशा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और विकास को प्राथमिकता देने की दिशा में काम करती रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए।सुमन सिंह ने कहा कि रुधौली विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उनका प्रयास सदैव जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतकबीरनगर में किया 684 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास

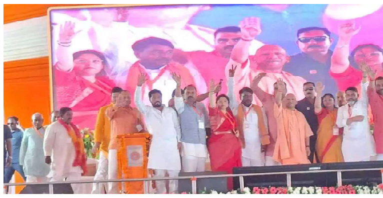

संवाददाता– संतकबीरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को खलीलाबाद और मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र की 684 करोड़ की 201 परियोजनाओं के लोकार्पण– शिलान्यास के मौके पर कांशीराम स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये सपा और कांग्रेस पर हमला बोला। कहा कि पहले युवाओं से नौकरियों में खिलवाड़ किया जाता था। विकास योजनाओं में लूट होती थी। किसानों की योजनाओं में लूट होती थी। अब खिलवाड़ करने वालों सम्पत्ति जब्त कर ली जाएगी। सख्त कार्रवाई की जाएगी। तब पाप सपा और कांग्रेस करती थी उसका खामियाजा जनता को भुगताना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आज कॉरीडोर की बात तब होती है जब हमारे पास पैसा है, शिव के प्रति आस्था है। पहले की सरकारों के पास भी पैसा था लेकिन तब कब्रिस्तानों की बाउंड्री बनती थी। तब और अब में यही अंतर है।

उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस प्रोपेगंडा कर रही हैं। जबकि पहले की सरकारों ने काम ही नहीं किया। 2014 से पहले की सुविधाओं और उसके बाद भाजपा की सरकारों में हुए विकास का तुलनात्मक हवाला देते हुए कहा उनकी बातें हास्यास्पद और कठघरे में खड़ी करने वाली लगती हैं।

योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार में जेई–एईएस जैसी बीमारी और माफिया को साफ किया गया। कर्फ्यूलेस प्रदेश बना। बेटी के साथ छेड़खानी नहीं होती व्यापारी के साथ लूट नहीं होती। ऐसा करने वालों को या तो जेल जाना पड़ता है या फिर जहन्नुम। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मगहर स्थित बंद पड़ी कताई मिल के लिए सपा–कांग्रेस की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और आश्वस्त किया कि इस मिल को जल्द ही दोबारा चालू कराया जाएगा।कहा कि आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों से पूर्वांचल से इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी पूरी तरह खत्म हो चुकी है।

फूलन देवी ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया–गीता भारती

–जयंती पर संगोष्ठी, जरूरतमंदों में किया वस्त्र का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता भारती के संयोजन में महादेवा विधानसभा क्षेत्र के कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के बरतनिया छोटी पुरवा में पूर्व सांसद फूलन देवी के जयंती जयंती उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सपा नेता गीता भारती ने कहा कि फूलन देवी ने सामाजिक अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष किया और बाद में संसद तक पहुंचीं। तत्कालीन सपा प्रमुख नेता जी मुलायम सिंह यादव की भूमिका फूलन देवी को मुख्य धारा की राजनीति में लाने में महत्वपूर्ण रही। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आवाहन करते हुये कहा कि जब तक निषाद, पिछड़े, गरीब, उत्पीडित समाज को न्याय नहीं मिलता फूलनदेवी की प्रासंगिकता बनी रहेगी। फूलन देवी का जीवन संघर्ष, साहस और विपरीत परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सपा नेता गीता भारती ने इस मौके पर जरूरतमंदों में वस्त्र का वितरण भी किया।

कार्यक्रम में मो. स्वालेह, राजेन्द्र चौधरी, देवनाथ यादव, विवेक यादव विक्की, मान सिंह, गंगा यादव, विजय लक्ष्मी, प्रिया श्रीवास्तव, सावित्री सिंह, सुशीला देवी, राधा देवी, पिंकी सिंह, अवधेश निषाद, अजय निषाद, रामकेश निषाद, सीताराम निषाद, नागेन्द्र निषाद, महेन्द्र, रमेश, धर्मराज निषाद के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

दिवंगत शिक्षक राजकुमार चौधरी के परिजनों को मिलेगा 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) के संस्थापक एवं अध्यक्ष विवेकानन्द आर्य के निर्देश पर मंगलवार को जिला संयोजक प्रमोद कुमार ओझा के नेतृत्व में टीम ने बहादुरपुर विकासखंड के कम्पोजिट विद्यालय फूलपुर में तैनात रहे दिवंगत शिक्षक राजकुमार चौधरी के परिजनों से मुलाकात की। टीम ग्राम इटैली, पोस्ट कसैला, थाना नगर बाजार स्थित उनके आवास पर पहुंची और आवश्यक अभिलेखों को एकत्र करने के साथ उनका परीक्षण किया।

जिला संयोजक प्रमोद कुमार ओझा ने बताया कि अभिलेखीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद टीचर्स सेल्फ केयर टीम की ओर से दिवंगत शिक्षक राजकुमार चौधरी के परिजनों को जीवन–यापन के लिए करीब 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि टीएससीटी शिक्षकों से नाममात्र की सदस्यता राशि लेकर किसी शिक्षक के असामयिक निधन की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने का कार्य करती है।

जिला प्रवक्ता राजेश कुमार ने बताया कि इस पहल का श्रेय टीम के संस्थापक एवं अध्यक्ष विवेकानन्द आर्य तथा सह संस्थापक सुधेश कुमार पाण्डेय और संजीव रजत को जाता है। उनकी पहल से प्रदेश में असमय दिवंगत हुए शिक्षकों के परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि बस्ती जनपद में टीएससीटी के करीब 6,639 सदस्य हैं। अब तक जिले में 10 शिक्षक परिवारों को आर्थिक सहयोग दिया जा चुका है। वहीं प्रदेश स्तर पर अब तक 616 दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को करीब 277 करोड़ 6 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है।

दिवंगत शिक्षक के अभिलेखों के परीक्षण एवं एकत्रीकरण के दौरान सह संयोजक राहुल राव, दिलीप कुमार चौधरी, अवधेश कुमार, लक्ष्मण लाल, अखिलेश कुमार, मुनिराम वर्मा, जय प्रकाश चौधरी, देवेन्द्र कुमार यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

संसद में हंगामाः गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर अड़ा विपक्ष

नई दिल्ली (आभा)। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के चार मिनट के भीतर ही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी गई। संसद के मानसून सत्र के चौथे सप्ताह के दूसरे दिन की कार्यवाही भी पिछले तीन सप्ताह की तरह हंगामेदार रही और आज लगातार 17वें कार्यदिवस को भी सदन में प्रश्नकाल तथा शून्यकाल नहीं चल सके।

कार्यवाही 1शुरू होते ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के विरोध में और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करते हुए हंगामा करने लगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जब छात्रों के आंदोलन पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की मांग पर सरकार ने सहमति दे दी है तो फिर विपक्ष को सदन चलने देना चाहिए।

बिरला ने कहा कि सदन सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को मिलकर चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की जनता चाहती है कि सदन चले और सभी विषयों पर चर्चा हो। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोमवार को कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में भी सभी दलों से सदन चलाने का आग्रह किया था।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, ''मैंने व्यक्तिगत रूप से कई बार आग्रह किया कि प्रश्नकाल सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसमें सत्ता की जवाबदेही तय होती है और कार्यपालिका में पारदर्शिता आती है।'' उन्होंने विपक्ष की छात्रों से संबंधित प्रमुख मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बीएसी की बैठक में स्पष्ट किया है कि गृह मंत्री इस विषय पर जवाब देने के लिए तैयार हैं। बिरला ने कहा, ''आपकी प्रमुख मांग पर सरकार ने सहमति जताई है। अब आप सदन चलने दें।''उन्होंने सदन के भीतर तख्तियां लाने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि यह संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा, ''आप लोग सहयोग करें। सदन नहीं चलने से मन व्यथित होता है।

हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की बैठक अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

कांवड़ महोत्सव में भोजपुरी गायक मनोज तिवारी के गमछा डांस पर झूमे कांवड़ियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फुटहिया चौराहे पर पर आयोजित कांवड़ महोत्सव में भोजपुरी गायक एवं सांसद मनोज तिवारी मृदुल मनोज तिवारी का गमछा डांस देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। पूरा पंडाल बोल बम के नारों से गूंज उठा। देर रात मनोज तिवारी मृदुल के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत मां शारदा की स्तुति से की। इसके बाद उन्होंने 'डूब जो रे मनवा डमरूवा वाला जोग में', 'हर हर महादेव शंभू', 'काशी विश्वनाथ गंगे', 'हर दम बोला', 'शिव बम–बम–बम' और 'राम के थे, राम के हैं, हम राम के रहेंगे' जैसे गीत प्रस्तुत किए। उनके गीतों पर दर्शक झूमते नजर आए। साथ ही आर्यन बाबू समेत अन्य कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। इससे पूर्व शांति सेवा संस्थान के अध्यक्ष तेज प्रताप सिंह और उनकी पत्नी शिम्पी सिंह ने सांसद मनोज तिवारी का स्वागत किया।

कांवर महोत्सव के दौरान मनोज तिवारी ने पुलिसकर्मियों की भूमिका की सराहना करते हुए लोगों से पुलिस के लिए तालियां बजाने की अपील की। उनके इस आह्वान पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं।

कांवड़ महोत्सव में देर रात तक शिवभक्त झूमते व थिरकते रहे। दर्शकों की बड़ी भीड़ देखकर सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध किए गए। कार्यक्रम के दौरान गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, प्रांत प्रचारक रमेश जी, महंत राजू दास, तपसी धाम आश्रम के महंत जय बक्श दास, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा समेत अनेक विशिष्टजन उपस्थित रहे।

शिक्षा क्षेत्र में अभिनव पहलः प्राथमिक विद्यालय मरहा में नदियों के नाम पर बनी हाउस प्रणाली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सदर विकासखंड के ग्राम पंचायत मरहा ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और अभिनव पहल करते हुए प्राथमिक विद्यालयदृमरहा में जनपद बस्ती की प्रमुख नदियों से प्रेरित ष्नदी आधारित हाउस प्रणालीष को प्रभावी रूप से लागू किया है। इसी क्रम में अब विद्यालय परिसर में सभी हाउस के रंगीन हाउस ध्वज भी स्थापित कर दिए गए हैं। हाउस ध्वजों की स्थापना के बाद विद्यालय का वातावरण न केवल अधिक आकर्षक और जीवंत दिखाई देने लगा है, बल्कि बच्चों में अपने हाउस के प्रति गौरव, अनुशासन, नेतृत्व, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने की दिशा में भी इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ग्राम पंचायत की इस पहल में शिक्षा को स्थानीय परिवेश, प्राकृतिक विरासत और व्यवहारिक जीवन–मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। हाउस प्रणाली के लिए जनपद बस्ती की प्रमुख नदियों के नामों का चयन किया गया है, जिससे विद्यार्थी अपनी स्थानीय प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत से भी परिचित हो सकें। विद्यालय में कक्षा के अनुसार विद्यार्थियों को अलग–अलग हाउस आवंटित किए गए हैं।

हाउस प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों को खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पठन–पाठन, रचनात्मक गतिविधियों, क्विज, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा विद्यालय के अन्य आयोजनों में हाउस की टीम के रूप में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे बच्चों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और सामूहिक उपलब्धि की भावना विकसित करने में मदद मिलेगी। साथ ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से विद्यार्थी एक–दूसरे से सीखते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगे। इस पहल की सबसे खास बात यह है कि इसमें स्थानीय नदियों को केवल नाम के रूप में नहीं, बल्कि बच्चों के लिए मूल्यों और प्रेरणा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। नदियां किसी भी क्षेत्र के जीवन, कृषि, संस्कृति और सभ्यता से गहराई से जुड़ी होती हैं। ऐसे में बस्ती की नदियों के नाम पर हाउस बनाए जाने से बच्चों में अपने जनपद और उसकी प्राकृतिक विरासत के प्रति सहज जुड़ाव पैदा होने की उम्मीद है।

ग्राम पंचायत मरहा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है। बच्चों को उनके स्थानीय परिवेश, प्रकृति, संस्कृति और जीवन–मूल्यों से जोड़ना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नदी आधारित हाउस प्रणाली इसी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि प्राथमिक विद्यालयदृमरहा बच्चों के लिए ऐसा शिक्षण वातावरण बने, जहां वे पढ़ाई के साथ–साथ अनुशासन, नेतृत्व, सहयोग, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदारी जैसे जीवन–मूल्यों को भी व्यवहार में सीखें। उन्होंने कहा कि ष्नदियों की तरह निरंतर बहते रहो, सीखते रहो और आगे बढ़ते रहोष इस पूरी पहल की मूल भावना है। जिस प्रकार नदी निरंतर प्रवाहित होकर अपने मार्ग में जीवन का संचार करती है, उसी प्रकार बच्चों को भी निरंतर सीखते हुए अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले, यही इस हाउस प्रणाली का उद्देश्य है।

कांवड़ उत्सव सम्पन्नः आस्था के जल से नहा गये भोलेनाथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सावन की तेरस पर सोमवार की मध्यरात्रि से जिले के प्रमुख शिवालय हर–हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठे। आधी रात से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। कांवड़ियों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की और सुख–समृद्धि की कामना की। जनपद के तिलकपुर, कड़र, भदेश्वरनाथ, महादेवा, भारीनाथ और रूधौली क्षेत्र के प्रमुख पौराणिक शिव मंदिरों में सोमवार से ही कांवड़ियों और स्थानीय श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। कांवड़िए अयोध्या से सरयू नदी का पवित्र जल लेकर मंदिरों में पहुंचे और विधि–विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कावड़ यात्रा सकुशल सम्पन्न होने पर जिला प्रशासन ने राहत की सांस लिया है। लोगों ने इस बार के प्रबन्धन को सराहा।

इस दौरान मंदिर परिसर हर–हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजता रहा। भदेश्वरनाथ मंदिर समेत अन्य प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। मंदिरों के आसपास बैरिकेडिंग कराई गई थी। यातायात व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। अयोध्या से शिवालयों तक आने वाले कांवड़ मार्ग पर भी सुरक्षा कर्मियों को लगाया गया था।प्रशासन ने सावन सोमवार की रात भदेश्वरनाथ मंदिर में लाखों कांवड़ियों के पहुंचने और विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक करने का अनुमान जताया था। इसे देखते हुए प्रमुख मंदिरों और कांवड़ मार्गों पर विशेष निगरानी रखी गई। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रकाश, साफ–सफाई और चिकित्सा व्यवस्था भी की गई थी। मंगलवार को भी प्रमुख शिवालयों में जलाभिषेक का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और दूध अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की। कांवड़ियों के जत्थों के पहुंचने से मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा।कांवड़ यात्रा को लेकर शहर से लेकर भद्रेश्वरनाथ धाम तक जगह–जगह सेवा शिविर लगाए गए थे। स्वयंसेवकों ने कांवड़ियों के लिए भोजन, पानी और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की। प्रशासन की ओर से भी यात्रा मार्ग पर लगातार निगरानी रखी गई।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 अगस्त 2026 बुधवार

सम्पादकीय

मेडिकल शिक्षा का विस्तार और चुनौतियां

मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र का देश में इतनी तेजी से विस्तार हुआ है कि इससे इसकी सुलभता को लेकर अहम सवाल खड़े हो गये हैं। 12 सालों में सीटों की संख्या तकरीबन तीन गुनी हो गयी है। आंशिक रूप से इसका श्रेय स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता बेहतर बनाने की सरकार की कोशिशों को जाता है, जिसमें बुनियादी ढांचा उन्नत करना और विनियमों को सरल बनाना शामिल है। हालांकि, जिला अस्पतालों से संबद्ध नये सरकारी कॉलेजों के अलावा, ज्यादातर वृद्धि निजी क्षेत्र में हुई है। इस साल, यह पहली बार है कि कुल एमबीबीएस सीटों का आधे से ज्यादा हिस्सा निजी संस्थानों के पास है। लगभग 10,000 नयी सीटों में से 79 फीसदी सीटें ऐसे ही संस्थानों में हैं, जो इस बात का संकेत है कि निकट भविष्य में वृद्धि इसी तरह निजी क्षेत्र में केंद्रित रहेगी। सीटों में बढ़ोतरी अपने आप में काबिले तारीफ है क्योंकि भारतीय छात्र अब भी एमबीबीएस सीटों के लिए भीषण प्रतियोगिता करते हैं, जबकि स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ प्रैक्टिशनरों की भारी कमी है। हजारों छात्र विदेश जाकर भी शिक्षा लेते हैं। इसलिए, घरेलू 'क्षमता' विस्तार एक स्वाभाविक कदम है और सीटों की बढ़ती संख्या से अवरोध में कमी आनी चाहिए और प्रतिभाओं को घर में रखने में मदद मिलनी चाहिए।

लेकिन मसले बहुत सारे हैं। जहां सरकारी कॉलेज में एक एमबीबीएस सीट की पूरी अवधि की लागत विरले ही 5 लाख रुपये से ऊपर जाती है, वहीं निजी संस्थान में यह 10 गुना से ज्यादा हो सकती है। इसे आंशिक रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की न घटने वाली मांग से समर्थन मिल रहा है। इन संस्थानों की वाणिज्यिक व्यवहार्यता कुछ खास इलाकों में सिमटी हुई है। खासकर अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों के टियर–1 और टियर–2 शहरों में, जहां आमदनी ज्यादा है। जब तक इनके विद्यार्थी ग्रेजुएशन के बाद जान–बूझकर मुफस्सिल इलाकों में नहीं जाते, तब तक उनका कौशल भी इन्हीं क्लस्टरों में सिमटा रहता है। जबकि, दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की कमी ज्यादा शिद्दत से महसूस की जाती है। तेज विस्तार से बहुत ज्यादा असमान गुणवत्ता का भी जोखिम रहता है, खासकर यह देखते हुए कि संस्थान स्थानीय जरूरतों पर सजगता से ध्यान देने के बजाय एकदम न्यूनतम सुविधाओं के साथ एनएमसी मान्यता हासिल करने की कोशिश करते हैं। 'कैपिटेशन फीस', जो सरकारी रोक के बावजूद जारी है, नये कर्ज का बोझ पैदा करती है जिससे ग्रेजुएशन बाद का व्यवहार प्रभावित हो सकता है। अच्छा हो कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक पहल करे।

परीक्षा प्रणाली पर उठती उंगलियां

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो–चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु–परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल–टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट–यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया।

दरअसल, सीबीआई जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ एक–दूसरे के संपर्क में थे, जिससे परीक्षा की गोपनीयता की सुरक्षा का एक बुनियादी नियम भंग हो गया। वास्तव में, नियमानुसार किसी भी एक व्यक्ति की पहुंच पेपर के सभी फाइनल सेट तक नहीं होनी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस कथित गड़बड़ी के लिए किसी हाई–लेवल हैकिंग की जरूरत नहीं पड़ने दी गई। दरअसल, भ्रष्ट लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया की मामूली खामियों का फायदा चालाकी से उठाया। निस्संदेह, यह बात किसी भी साइबर खतरे के मुकाबले नीति बनाने वालों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि दो सप्ताह पूर्व ही धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा मंत्री बने प्रह्लाद जोशी के कंधों पर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा सिस्टम बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत विश्वास बहाली के लिए काम आरंभ करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न केवल छात्र, बल्कि उनके अभिभावक व सारा देश फिर से निराश न हो सके। इसी तरह, एनटीए का प्रस्तावित कमांड सेंटर सिर्फ अफसरशाही का एक और विस्तार बनकर नहीं रह जाना चाहिए। वास्तविक अर्थों में इस प्रस्तावित कमांड सेंटर को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिले, स्पष्ट रूप से जवाबदेही तय हो और सुरक्षा में कोई गड़बड़ी पाए जाने पर परीक्षा प्रक्रिया को रोकने का अधिकार मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से देश के लाखों छात्रों के लिए परीक्षा व्यवस्था का निष्पक्ष व पारदर्शी होना ही पहली शर्त है। इसके बावजूद यदि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को कड़ी परीक्षा से गुजरना अनिवार्य ही होगा, तो निस्संदेह, यदि एनटीए उसमें असफल रहता है, तो एजेंसी के भविष्य को लेकर कड़ा फैसला लिया जाना अपरिहार्य ही होगा। इसके अलावा, केंद्र के साथ ही राज्यों में भी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने वाली एजेंसियों के कामकाज व तौर–तरीकों पर नियमित निगरानी के लिए एक केंद्रीय ढांचा बनाया जाना चाहिए, जो बिना किसी राजनीतिक दबाव के निष्पक्ष व पारदर्शी परीक्षा सिस्टम तैयार करना सुनिश्चित कर सके।

कब तय होगी अधिकारियों की जबाबदेही

–योगेन्द्र योगी–

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटनाकृदुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक

और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगते ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं।

राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग–अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई।

इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार, हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झौंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भागवत की नजरों में जेन–जी

–ललित गर्ग–

जंतर–मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन–जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन–जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचौनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ

क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार–बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है–क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है–विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी–दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है–ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय–समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति–पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है।

नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक–सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन–जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी–जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा।

आकाश आनन्द का नया नारा और बसपा

–नीरज कुमार दूबे–

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जो लोग बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को हल्के में लेकर चल रहे थे, उन्हें अब अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद चुनावी मैदान में पूरी ताकत के साथ उतर चुके हैं और उनकी सभाओं में उमड़ रही भीड़, खासकर युवाओं की मौजूदगी, पार्टी के लिए नई उम्मीद पैदा कर रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी आकाश आनंद ने बसपा की रैलियों में बड़ी भीड़ आकर्षित की थी, हालांकि इसका चुनावी परिणाम पार्टी के लिए शून्य रहा। लेकिन लोकसभा और विधानसभा चुनावों के मुद्दे अलग होते हैं और इसी अंतर को समझते हुए आकाश आनंद इस बार बसपा के लिए जमीन तैयार करने में जुटे हैं। पिछले दिनों बसपा के भीतर हुई राजनीतिक उठापटक और संगठनात्मक चुनौतियों के बीच आकाश आनंद का यह आक्रामक अभियान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा महज एक सीट पर सिमट गई थी। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव बसपा और खुद आकाश आनंद के लिए राजनीतिक अस्तित्व तथा प्रभाव की बड़ी परीक्षा माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि सोमवार को हाथरस के सादाबाद विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी अविन शर्मा के समर्थन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में आकाश आनंद ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर रोजगार, शिक्षा और कानून–व्यवस्था के मोर्चे पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से पिछले दस वर्षों के कामकाज का हिसाब मांगा जाना चाहिए। आनंद का आरोप था कि सरकार ने अपनी कमियों को छिपाने के लिए पिछले एक दशक में विज्ञापनों पर 7,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए।

युवाओं के मुद्दे को केंद्र में रखते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में चार लाख से अधिक सरकारी पद खाली पड़े हैं और कई प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं। उनका कहना था कि यदि विज्ञापन पर खर्च होने वाली रकम का इस्तेमाल परीक्षाओं और रोजगार के लिए किया जाता तो बड़ी संख्या में युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल सकती थीं। आनंद ने रोजगार के सरकारी आंकड़ों पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सप्ताह में एक दिन नाश्ता बेचने या सड़क किनारे ठेला लगाने वाले व्यक्ति को भी रोजगार के आंकड़ों में शामिल कर दिया जाता है।

शिक्षा व्यवस्था पर हमला बोलते हुए आनंद ने दावा किया कि प्रदेश में 25 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं। उन्होंने झांसी मेडिकल कॉलेज में शिशुओं की मौत का भी जिक्र किया और सरकार से शिक्षा तथा स्वास्थ्य व्यवस्था पर जवाब मांगा। विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उद्घाटन के एक महीने के भीतर ही उसके कुछ हिस्सों में सड़क धंसने लगी। साथ ही उन्होंने मायावती सरकार के कार्यकाल में बने यमुना एक्सप्रेसवे को भी उदाहरण के तौर पर सामने रखा। कानून–व्यवस्था के मुद्दे पर आनंद ने अपराध और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार को घेरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' वाली छवि पर भी उन्होंने तंज कसा और पूछा कि सरकार के दावों के बावजूद अपराध तथा महिला सुरक्षा की वास्तविक स्थिति क्या है।

आकाश आनंद का हमला केवल भाजपा तक सीमित नहीं रहा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने भाजपा और कांग्रेस को 'एक ही सिक्के के दो पहलू' करार दिया। उनका आरोप था कि कांग्रेस संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा की बात करती है, लेकिन जिन राज्यों में वह सत्ता में है, वहां भी कई मामलों में वही नीतियां अपनाती है जिनके लिए वह भाजपा पर हमला करती है। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव भी उनके निशाने पर रहे। आनंद ने सपा के च्व। यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फॉर्मूले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह फॉर्मूला बदलता रहता है। उन्होंने अखिलेश यादव और राहुल गांधी को 'अंकल' कहकर सभा में माहौल भी हल्का किया। अखिलेश को लेकर उन्होंने कहा कि वह 30 साल के हैं जबकि अखिलेश 50 के, इसलिए उन्हें 'भैया' नहीं बल्कि 'अंकल' कहना स्वाभाविक है।

युवक की हत्या, आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

संवाददाता—कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के डुमरी चूरामन छपरा गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव घर के सामने सड़क किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। युवक सोमवार रात मकान में सोने गया था। सुबह शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव सड़क किनारे फेंके जाने का आरोप लगाया है। मोहित देर रात गांव के बाहर अपने मकान में सोने गया था। मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने मकान के सामने सड़क किनारे उसका शव पड़ा देखा। लोगों ने परिजनों और पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना के बाद परिजनों ने घर के बाहर शव रखकर प्रदर्शन शुरू किया। कुछ घंटे बाद परिजन घर से 1किमी दूर कसया रामकोला मार्ग पर गोबरही चौराहे पर जाम लगाकर हंगामा कर रहे। करीब 5 घंटे तक हंगामा चला। पुलिस को घटनास्थल से एक मोबाइल मिला था, जिसके जरिए पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने करीब 12 बजे शव को जबरदस्ती कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डुमरी चूरामन छपरा निवासी कोटेदार योगेंद्र मद्धेशिया के बेटे मोहित मद्धेशिया सोमवार रात गांव के बाहर हेतिमपुर—गोबरही मार्ग पर स्थित अपने मकान में सोने गया था। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे उसका शव पड़ा देखा। लोगों ने तत्काल परिजनों को और पुलिस को जानकारी दी।

परिजनों का आरोप है कि मोहित की हत्या मकान के अंदर की गई और इसके बाद शव को बाहर सड़क किनारे फेंक दिया गया। घटना को लेकर प्रेम प्रसंग की चर्चा भी सामने आई है, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने शव को गोबरही—हेतिमपुर मार्ग पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। सड़क पर शव रखे जाने से मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ, करीब 5 घंटे से हंगामा जारी है। पुलिस ने करीब 12 बजे शव को जबरदस्ती कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता योगेन्द्र मद्धेशिया ने अपनी मांग बताते हुए कहा कि मौके पर एक मोबाइल मिला था। पुलिस दो लोगों को पकड़ कर थाने ले गई है। उन लोगों को हम लोगों के सामने लाकर सुपुर्द कर दे। मोहित चार भाइयों में सबसे छोटा था। वह धनकुटी मशीन चलाकर परिवार के भरण—पोषण में सहयोग करता था। उसके तीन बड़े भाइयों का विवाह हो चुका है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही सीओ कसया डॉ. अजय कुमार सिंह, तहसीलदार धर्मवीर सिंह और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। प्रदर्शन की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने करीब 12 बजे शव को जबरदस्ती कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिजली के टावर से लटका मिला युवक का शव

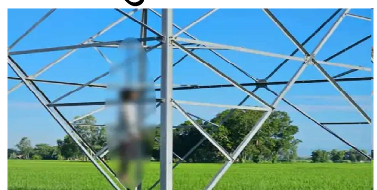

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के रुदौली गांव में मंगलवार सुबह बिजली के टावर से एक युवक का शव लटका मिलने से हड़कंप मच गया। शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने टावर पर शव देखा तो इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान रामकोकिल (28) उर्फ दरोगा चौधरी (पुत्र बसंत चौधरी) के रूप में हुई है। वह दो भाइयों में छोटा था और अविवाहित था। उसकी बहन की शादी हो चुकी है। शव मिलने की सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जमा हो गए।

परिजनों के मुताबिक, दरोगा करीब एक सप्ताह पहले बाहर से अपने घर लौटा था। घर आने के बाद उसने कुछ जरूरी कागजात जला दिए थे। हालांकि उसने ऐसा क्यों किया, इसकी वजह परिजन नहीं बता सके। युवक के बाहर रहने और घर लौटने के बाद की गतिविधियों को लेकर भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे कुछ ग्रामीण शौच के लिए निकले थे। इसी दौरान उनकी नजर बिजली के टावर पर पड़ी। टावर पर युवक का शव लटका हुआ था। शव देखते ही ग्रामीणों ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, युवक की मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि युवक हाल में कहां था और घर लौटने के बाद उसकी गतिविधियां कैसी थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिरोज पप्पू हत्याकांड में दो दोषियों को उम्रकैद, आरोपियों पर एक—एक लाख रुपए का जुर्माना

संवाददाता—बलरामपुर। फिरोज अहमद उर्फ पप्पू हत्याकांड में करीब चार साल चली सुनवाई के बाद एमपी—एमएलए कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया। विशेष न्यायाधीश प्रदीप कुमार तृतीय ने मेराजुल हक और महफूज को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों दोषियों पर एक—एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि में से 80—80 हजार रुपए मृतक की पत्नी को दिए जाएंगे। फिरोज अहमद उर्फ पप्पू तत्कालीन नगर पंचायत अध्यक्ष थे। जिला शासकीय अधिवक्ता कुलदीप सिंह के अनुसार, चार जनवरी 2022 की रात तुलसीपुर—जरवा मार्ग पर चाकू से गोदकर उनकी हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतक के भाई अफरोज की तहरीर पर तुलसीपुर थाने में पूर्व सांसद रिजवान जहीर, उनकी बेटी जेबा रिजवान, दामाद रमीज नेमत, महफूज और मेराजुल हक के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने नौ जनवरी 2022 को पूर्व सांसद रिजवान जहीर समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। मामला हाईप्रोफाइल होने के कारण इसकी सुनवाई एमपी—एमएलए कोर्ट में हुई। करीब चार वर्षों तक अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से साक्ष्य और तर्क प्रस्तुत किए गए। अभियोजन ने कुल 13 गवाहों के बयान दर्ज कराए। सात अगस्त को अदालत ने पूर्व सांसद रिजवान जहीर, उनकी बेटी जेबा रिजवान और दामाद रमीज नेमत को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया था। वहीं, मेराजुल हक और महफूज के मामले में अदालत ने फैसला 11 अगस्त के लिए सुरक्षित रखा था। मंगलवार को सुरक्षित फैसला सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश प्रदीप कुमार तृतीय ने दोनों को हत्या का दोषी माना और उम्रकैद के साथ एक—एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता कुलदीप सिंह ने बताया कि पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने मेराजुल हक और महफूज को दोषी ठहराया है। वहीं, पूर्व सांसद रिजवान जहीर, जेबा रिजवान और रमीज नेमत को साक्ष्य के अभाव में बरी किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार न्यायालय के निर्णय और पत्रावली का अध्ययन करेगी। इसके बाद विधिक राय के आधार पर फैसले के खिलाफ अपील करने के संबंध में आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान प्राथमिक विद्यालय नत्थापुरवा में गूंजे देशभक्ति के नारे, बच्चों ने बनाई तिरंगे की रंगोली

संवाददाता—श्रावस्ती। हर घर तिरंगा अभियान के तहत शिक्षा क्षेत्र इकौना के प्राथमिक विद्यालय नत्थापुरवा में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, उसके सम्मान और देशभक्ति की भावना के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र—छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बच्चों ने विद्यालय परिसर में तिरंगे के रंगों से आकर्षक रंगोली बनाई और हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। विद्यालय परिसर में भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से माहौल गूंज उठा।

प्रधानाध्यापक मिथिलेश मिश्रा ने बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के गौरव, उसके सम्मान और देश के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होती है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों सहित प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है। इस मौके पर निकहत फातिमा, सुधा देवी सहित स्कूल के सभी स्टॉफ एवं छात्र—छात्राएं मौजूद रही।

खेत से मजदूरों को लगाकर घर लौट रहे शख्स की हादसे में मौत

संवाददाता—महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के परतावल—कप्तानगंज मार्ग स्थित इमिलिया के पास मंगलवार को दो बाइकों की आमने—सामने हुई जोरदार टक्कर में 52 वर्षीय शख्स की मौत हो गई। हादसे में दूसरा बाइक सवार घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल में भर्ती कराया गया है। मृत शख्स अपने खेत से मजदूरों को काम पर लगाकर घर लौट रहा था। हादसे में मौत की खबर मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। इमिलिया निवासी नाथूलाल शर्मा (52) मंगलवार को खेत में निराई के लिए मजदूर लगाया था।

मजदूरों को खेत में काम पर लगाने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि वह खेत से मुख्य मार्ग की ओर जा रहा था कि इसी दौरान परतावल—कप्तानगंज मुख्य मार्ग पर सामने से आ रहे धनगड़ा निवासी

सचिन (19) की बाइक से उसकी बाइक की आमने—सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी परतावल पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टरों ने नाथूलाल शर्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल सचिन का इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

नाथूलाल शर्मा की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके तीन पुत्र और एक पुत्री है। परिवार में बेटी दूसरे नंबर पर है और उसकी शादी की तैयारी चल रही थी। बड़े बेटे उपेंद्र और छोटे बेटे शिवेंद्र दिल्ली गए थे। बताया गया कि दोनों मेडिकल की प्रक्रिया पूरी कर विदेश जाने की तैयारी में थे, ताकि नौकरी कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ बहन की शादी में सहयोग कर सकें। वहीं बीच वाला बेटा सतेंद्र अहमदाबाद में रहकर नौकरी करता है।

परिजनों के अनुसार नाथूलाल शर्मा पहले परतावल पोस्ट ऑफिस के पास फर्नीचर की दुकान चलाते थे। वर्तमान में वह लोगों के घरों पर जाकर दरवाजा बनाने और फर्नीचर से संबंधित अन्य काम करते थे। मृतक की पत्नी माया समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो—रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलने के बाद गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। चौकी प्रभारी आलोक राय ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बलरामपुर से 4 साल से लापता बच्चा गोंडा में मिला

संवाददाता—बलरामपुर। चार साल से लापता 10 वर्षीय बालक को तुलसीपुर पुलिस ने गोंडा से सकुशल बरामद कर लिया। बच्चा वर्ष 2022 में घर के पास से अचानक गायब हो गया था। पुलिस की लगातार तलाश और कई जिलों में की गई छानबीन के बाद 10 अगस्त 2026 को बच्चे को सुभागपुर रेलवे स्टेशन के पास से बरामद किया गया। परिजनों ने उसकी पहचान कर ली है। एसपी विकास कुमार ने मंगलवार दोपहर 1:45 बजे बताया कि 13 सितंबर 2022 को तुलसीपुर थाना क्षेत्र के नई बाजार बैरागीपुरवा निवासी रहीमा पत्नी स्व. अब्दुल खालिद ने बेटे के गायब होने की तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनका 10 वर्षीय बेटा घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा संख्या 215/2022, धारा 363 भादवि के तहत केस दर्ज कर तलाश शुरू की थी। पुलिस जांच में सामने आया कि मां की डांट से नाराज होकर बालक घर से निकल गया था। वह तुलसीपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से ट्रेन पकड़कर गोंडा चला गया। गोंडा रेलवे स्टेशन के पास बलरामपुर जाने वाली सड़क पर ओवरब्रिज के नीचे बालक को गुड्डन पथरकट नाम की महिला मिली। उस समय बच्चा रो रहा था और अकेला था। महिला ने बच्चे को अपने पास रख लिया और उसे अपने बच्चे की तरह पालने लगी। इस दौरान उसका नाम बदलकर 'आशीष' रख दिया गया। दूसरी ओर बच्चे की मां और परिवार लगातार उसकी तलाश करते रहे। बच्चे की तलाश के लिए तुलसीपुर पुलिस ने कई स्तर पर प्रयास किए। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने विभिन्न समाचार पत्रों में बच्चे की

गुमशुदगी का प्रकाशन कराया। इसके अलावा गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, बहराइच और गोंडा समेत कई जिलों में पुलिस टीमों को भेजकर जानकारी जुटाई गई। पुलिस ने डीसीआरबी से भी संपर्क किया। जुलाई 2026 में बच्चे की तलाश को लेकर अपर पुलिस महानिदेशक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, लखनऊ को भी पत्राचार किया गया था। लगातार प्रयासों का नतीजा 10 अगस्त को सामने आया। तुलसीपुर पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में सुभागपुर रेलवे स्टेशन के पास दत्तनगर पत्थरकट कॉलोनी, गोंडा से 'आशीष' नाम के बच्चे को बरामद किया। जांच के दौरान उसकी पहचान चार साल पहले दर्ज गुमशुदगी के मामले में लापता हुए बालक के रूप में हुई। इसके बाद परिजनों को बुलाया गया। परिवार ने भी बच्चे को पहचान लिया। बेटे के मिलने की खबर सुनते ही परिवार की चार साल पुरानी मायूसी खुशी में बदल गई। पति के निधन के बाद लगातार बेटे की तलाश में जुटी मां रहीमा के लिए यह पल बेहद भावुक रहा। चार साल बाद बेटे को सामने देखकर परिवार की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे।

सर्पदंश से जमुनहा के पूर्व प्रधान की मौत

संवाददाता—गोंडा। ब्लॉक क्षेत्र के जमुनहा के पूर्व प्रधान जनार्दन शुक्ल (90) की मंगलवार सुबह सर्पदंश से मौत हो गई। उनके पुत्र सविंदर प्रसाद ने बताया कि उन्होंने किसी काम से सुबह कमरे में जाने के लिए दरवाजा खोल कर कदम अंदर रखा कि तभी कोबरा सांप ने उन्हें डस लिया। उन्होंने सांप को पहचाना और परिजनों को बताया। लोग उन्हें सीएचसी वजीरगंज ले गए जहां उनकी प्राथमिक इलाज के दौरान स्थित बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें तत्काल श्रीराम अस्पताल अयोध्या ले गए जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अदालती नोटिस

(प्रपत्र सं0—3)

न्यायालय— अपर पारिवारिक न्यायाधीश महोदय अयोध्या, जनपद—अयोध्या

स0प्र0 11/2026

बुशरा खातून

बनाम

जमील खान

जमील खान उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र रफीक खान निवासी मथुरा बाजार थाना ललिया जनपद—बलरामपुर (उ0प्र0) 271861 प्रत्यर्थी

सेवा में

चूंकि ऊपर निमिकत याची ने आपके विरूद्ध जैसा याचिका में दिया गया है। एक याचिका संस्थत की है।

(याचिका संलग्नक है)

आपसे इस सम्मतन के आपको तामील होने के दिनांक से तीन सप्ताह के भीतर इस न्यायालय में स्वयं हाजिर होने या न्यायालय की अनुमति वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है।

और चूंकि वाद को निवेश के लिए 14 दिवस 08 माह सन् 2026 का न्यायाधीश के कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

आपको एतद्द्वारा याची के दावे का उत्तर देने के लिए उक्त 14 दिवस 08 माह सन् 2026 को न्यायाधीश के समक्ष पूर्वान्ह 11 बजे उपस्थित होने के लिए सम्मन किया गया है। और सूचना दी जाती है पूर्व उल्लिखित दिनांक को पक्षों को जो उपस्थित हो सुनने के पश्चात् न्यायाधीश द्वारा कुटुम्ब न्यायालय के परामर्शदाता के समक्ष सुनवाई के दिनांक के सम्बन्ध में और याचिका से सम्बन्धित अन्य मामलों में निर्देश दिये जायेगे और अग्रेसर सूचना दी जाती है वकालतनामा दाखिल करने या आप उपस्थित में असफल रहते है तो याचिका को उसी दिन या किसी भी अनुवर्ती दिवस को अप्रतिवाकि के रूप में बोर्ड के समक्ष रखा जायेगा और आपके विरूद्ध पारित किसी डिक्री या आदेश के लिए आप उत्तरदायी होंगे।

साक्षी..............प्रधान न्यायाधीश.......

...........पूर्वोक्त, आज. 22 दिवस 07 माह 2026

मुहरकर्ता

.......................दिवस..................

माह 20...........

याची/याची के अधिवक्ता

पदाभिहित अधिकारी

नाम व पता—

हस्ताक्षर

अपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक फैजाबाद

स्कूल बस ई—रिक्शा से टकराई, ई—रिक्शा चालक की मौत, 4 छात्र और 9 शिक्षक घायल

संवाददाता—देवरिया। जिले के गौरी बाजार—हाटा मार्ग पर मंगलवार सुबह आठ बजे एक स्कूल बस और ई—रिक्शा की टक्कर हो गई। देवगांव के समीप हुए इस हादसे में ई—रिक्शा चालक अकबर (35) की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में तीन छात्र समेत चार लोग घायल हुए हैं। घायलों को गौरी बाजार स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीन छात्रों को मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर किया गया। उनके परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए। चौथे घायल छात्र की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। गौरी बाजार थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव निवासी अकबर अपने परिवार का भरण—पोषण ई—रिक्शा चलाकर करते थे। मंगलवार सुबह वह छात्रों को स्कूल पहुंचाने जा रहे थे। देवगांव के समीप देवरिया की ओर से आ रही एसबीटी पब्लिक स्कूल की बस ने उनके ई—रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे ई—रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में घायल हुए छात्रों में प्रिया चौरसिया (15), आदित्य चौरसिया (14) और रिया चौरसिया (12) शामिल हैं। ये तीनों दिनेश चौरसिया के बच्चे बताए गए हैं।

हादसे की सूचना मिलने पर गौरी बाजार पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ई—रिक्शा और स्कूल बस को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। दुर्घटना के समय स्कूल बस में कई शिक्षक—शिक्षिकाओं और छात्र—छात्राएं

भी सवार थे। कुछ छात्रों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। विशुनपुरा गांव निवासी अकबर (35) ई—रिक्शा चलाकर परिवार का भरण—पोषण करते थे। वह तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। अकबर के तीन बच्चे हैं। बेटे सुहेल की उम्र 16 वर्ष, बेटी सुहाना की 13 वर्ष और बेटे सरफुद्दीन की उम्र 9 वर्ष है। मंगलवार सुबह छात्रों को स्कूल पहुंचाने निकले अकबर की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने परिवार के प्रति संवेदना जताई।

हादसे में घायल ई—रिक्शा सवार छात्रों में तीन की पहचान हो गई है। इनमें प्रिया चौरसिया (15), आदित्य चौरसिया (14) और रिया चौरसिया (12) शामिल हैं। तीनों दिनेश चौरसिया के बच्चे बताए गए हैं। हादसे के बाद सभी घायलों को गौरी बाजार स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीन छात्रों को मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर किया। परिजन छात्रों को इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर चले गए। चौथे छात्र का नाम और उम्र अभी सामने नहीं आई है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। हादसे के समय एसबीटी पब्लिक स्कूल की बस में शिक्षक—शिक्षिकाओं और छात्रों समेत कई लोग सवार थे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बस में शीला वर्मा, निकिता तिवारी, नेहा सिंह, आकृति सिंह, पूनम देवी, प्रियंका ओझा, पल्लवी सिंह और कुसुम गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद थे। बच्चों में अंशु, खुशी गुप्ता, आदित्य यादव और ऋषभ यादव के नाम सामने आए हैं। हादसे के बाद घायलों को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। कुछ शिक्षक—शिक्षिकाओं को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। देवगांव के समीप हादसे की सूचना मिलने पर गौरी बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ई—रिक्शा और स्कूल बस को कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस ने ई—रिक्शा को पीछे से टक्कर मारी, जिसके बाद ई—रिक्शा पलट गया। हादसे में चालक अकबर की मौत हो गई और छात्र घायल हुए। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाने के साथ हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के संबंध में आगे की कार्रवाई जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

अकबर तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। उनके तीन बच्चे हैंकृसुहेल (16), सुहाना (13) और सरफुद्दीन (9)। हादसे में अकबर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है।

रामशंकर हत्याकांड के दो आरोपियों को सुप्रीम कोट से झटका, आत्मसमर्पण से छूट की याचिका खारिज

संवाददाता—गोंडा। जिले के महादेवा गांव में 47 साल पहले हुए राम शंकर हत्याकांड के दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने आत्मसमर्पण से छूट की मांग खारिज करते हुए उन्हें 6 सप्ताह के भीतर गोंडा के सीजेएम न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। अदालत का यह आदेश 31 जुलाई 2026 को आया था, जिसकी प्रति मंगलवार दोपहर सामने आई। एफआईआर के अनुसार, महादेवा निवासी राजेंद्र प्रसाद ने कोतवाली देहात में मामला दर्ज कराया था। दिसंबर 1978 में सम्मयदीन के पुत्र देवी प्रसाद ने राजेंद्र और उनके चाचा राम शंकर पर हत्या का केस दर्ज कराया था। इसी रंजिश में सम्मयदीन के पुत्र राम नारायण ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर राम शंकर की हत्या कर दी। 8 मार्च 1979 की दोपहर सालपुर गांव के पास राम नारायण, ज्ञानेंद्री, राम फेर, नैयर और राम उग्गर ने जान से मारने की नीयत से हमला किया, जिसमें राम शंकर की मौत हो गई।

अपर सत्र न्यायाधीश ने राम नारायण, राम फेर, ज्ञानेंद्री और राम उग्गर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषियों ने हाईकोर्ट (लखनऊ खंडपीठ) में अपील दायर की।

सुनवाई के दौरान दो दोषियों (ज्ञानेंद्री और राम फेर) की मौत हो गई, जबकि राम नारायण और राम उग्गर जीवित हैं। हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखते हुए आत्मसमर्पण से छूट की मांग खारिज कर दी और सरेंडर करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी सरेंडर न करके दोनों जीवित दोषी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और सुनवाई लंबित रहने तक आत्मसमर्पण से छूट की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी मांग खारिज करते हुए 6 सप्ताह के भीतर सीजेएम कोर्ट में सरेंडर करने का कड़ा निर्देश दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता बृजलाल तिवारी के अनुसार, अब दोषियों के पास आत्मसमर्पण करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

कार्यालयों में साफ—सफाई का रखें विशेष ध्यान—जिलाधिकारी

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। डीएम ने सूचना विभाग, जिला पूर्ति विभाग, केन्द्रीय अभिलेखागार एवं राजस्व अभिलेखागार, मालखाना, भू अभिलेख, नजारत, कौशल विकास मिशन, अपर जिलाधिकारी कार्यालय, समाज कल्याण विभाग, ई—गवर्नेंस सहित अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ—सफाई, पेयजल एवं पूरे कैम्पस आदि का निरीक्षण किया। डीएम ने कहा कि कार्यालय में साफ—सफाई प्रत्येक दशा में सुनिश्चित रखें। शासकीय कार्यों के निष्पादन में किसी भी प्रकार की लापरवाही कदापि न बरती जाए। कोई भी अधिकारी कर्मचारी बिना किसी सूचना के अपने कार्यालय से अनुपस्थित नहीं रहेगा। यदि कोई भी ऐसा करते पाया गया तो कड़ी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) ललित कुमार, उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव, नाजिर कौशल यादव सहित कलेक्ट्रेट के विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी एवं पटल सहायक मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय—श्रीमान अपर उपजिलाधिकारी सदर महोदय अयोध्या जिला—अयोध्या

वाद सं. वाजदायर

लोकनाथ आदि

बनाम

चन्द्रभान आदि

बनाम—1. चन्द्रभान पुत्र देवीदीन निवासी हीड़ीवकड़िया परगना मिझौरा तहसील भीटी जिला—अम्बेडकरनगर 2. ओम प्रकाश पुत्र देवीदीन निवासी आदर्श नगर कालोनी देवकाली ककरहा अयोध्या परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला—अयोध्या 3. इन्द्रभान पुत्र देवीदीन 4. रामप्रकाश पुत्र देवीदीन 5. चन्द्रावती पत्नी इन्द्रभान गुप्ता निवासीगण खाद गोदाम के सामने अकबरपुर अयोध्या मार्ग रानोपाली अयोध्या खास परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला—अयोध्या

तारीख पेशी 18—08—2026

चूंकि उपरिनामांकित उपरोक्त ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 08 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 26 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

माफिया–मच्छर से मुक्त हुआ पूर्वांचल, हमारा युवा नशेड़ी नहीं, पिछला सिस्टम कभी प्रतिभा समझ नहीं सका –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं को अब पिछड़ेपन, बेरोजगारी या नशे से जोड़कर देखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहाकि हम अपने युवा को नशेड़ी नहीं कह सकते, अपने युवा के ऊपर कोई लांछन नहीं लगा सकते। अगर उसकी क्षमता का उपयोग पहले नहीं हो पाया तो कमी युवा में नहीं, उस सिस्टम में थी, जो उसकी प्रतिभा का उपयोग नहीं कर पा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूर्वांचल के युवा के सामने शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और उद्यम के अवसर हैं। सरकार ने युवाओं को मंच और अवसर उपलब्ध कराए तो उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था को नई गति दी। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर देश की सत्ता हासिल करने वाले लोगों के पास गांधी के सपनों को धरातल पर उतारने की फुर्सत नहीं थी। उन्होंने काशी का उदाहरण देते हुए कहा कि गांधी जी 1916 में काशी विश्वनाथ मंदिर गए थे। वहां की संकरी गलियों और गंदगी को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई थी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम भव्य स्वरूप में सामने है। योगी ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों के विकास ने केवल आस्था को मजबूती नहीं दी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई दी है। पर्यटक टैक्सी, होटल, रेस्टोरेंट, फूल, बाजार और नाविकों से जुड़ी सेवाओं पर खर्च करता है। इससे समाज के विभिन्न वर्गों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर पैदा होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन को आस्था के साथ जोड़कर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम हुआ है। पूर्वांचल को पर्यटन के बेहतरीन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी तेजी से काम हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश कभी 'माफिया और मच्छर' की समस्या से जूझता था। माफिया जनता का खून चूसते थे और मच्छर बीमारी फैलाते थे। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकारों में इंसेफेलाइटिस की रोकथाम और उपचार के लिए प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई। कांग्रेस के लंबे शासन और समाजवादी पार्टी की सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों ने इंसेफेलाइटिस के खिलाफ आवाज तक नहीं उठाई। योगी ने कहा कि सांसद रहते उन्होंने सड़क से लेकर संसद तक इंसेफेलाइटिस के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार ने महज दो वर्ष में बीमारी के समाधान की दिशा में निर्णायक सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि आज यह क्षेत्र इंसेफेलाइटिस के साथ डेंगू, कालाजार, चिकनगुनिया और मलेरिया के खिलाफ भी प्रभावी लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कभी बीमार माने जाने वाला बीआरडी मेडिकल कॉलेज आज सुपर स्पेशियलिटी केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। गोरखपुर में एम्स की स्थापना हुई। इसके साथ ही पूर्वांचल और आसपास के जिलों में मेडिकल कॉलेजों की श्रृंखला खड़ी हुई है।

कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, चंदौली, सोनभद्र, मिर्जापुर और अंबेडकरनगर समेत कई जिलों में मेडिकल कॉलेजों के निर्माण और संचालन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये केवल उपचार के केंद्र नहीं बल्कि स्वास्थ्य सुविधाओं में जनता के विश्वास के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल से माफिया तंत्र का खात्मा हुआ है। डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को माफिया और मच्छर दोनों से मुक्त करने की दिशा में काम किया। इसका असर निवेश और रोजगार पर भी पड़ा है।

सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों के दौर में पूर्वांचल में माफिया का प्रभाव निवेश और रोजगार में बाधा था। आज स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा, "पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया, हमने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज दिया। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में अकेले गोरखपुर में हुए निवेश से करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला है। फर्टिलाइजर कारखाना, पिपराइच और मुंडेरवा चीनी मिल, कताई मिल तथा खजनी के कंबल कारखाने जैसे बंद उद्योगों के दोबारा शुरू होने का भी उन्होंने उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कानून–व्यवस्था, कनेक्टिविटी और औद्योगिक माहौल के कारण अब दूसरे राज्यों के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश करने आ रहे हैं। पहले पूर्वांचल से मैनपावर के पलायन के कारण दूसरे राज्यों के उद्योगों को लाभ मिलता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से युवा बाहर जाना बंद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पूर्वांचल की बदली कनेक्टिविटी को विकास की प्रमुख वजह बताया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर से लखनऊ की दूरी अब करीब तीन घंटे में तय हो रही है, जबकि पहले आठ घंटे लगते थे। वाराणसी की यात्रा भी पांच–छह घंटे के बजाय करीब ढाई घंटे में संभव हुई है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में करीब दस वर्ष पहले कभी–कभार एक फ्लाइट चलती थी, जबकि आज 14 उड़ानें संचालित हो रही हैं और सभी में अच्छी मांग है। बेहतर सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी के कारण निवेश का माहौल बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता मिली है। पूर्वी उत्तर प्रदेश भी अब देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने दावा किया कि अगले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश को कभी बीमारू और कमजोर अर्थव्यवस्था वाला क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब यह स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा जब विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा और इसके लिए पूर्वांचल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड सभी क्षेत्रों का समान विकास जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं की प्रतिभा को प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि सरकार ने उन्हें अवसर और प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। अब यही युवा पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

चोरी की मुखबिरी के शक में युवक को घेरकर पीटा, वीडियो वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के रामनगर कड़जहां चौराहे पर मंगलवार सुबह रेलवे से जुड़ी चोरी की मुखबिरी करने के शक में एक युवक को करीब दर्जनभर लोगों ने घेरकर पीट दिया। दिनदहाड़े हुई मारपीट की घटना चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने मारपीट के दौरान सोने की चेन और बुलेट बाइक छीनने का आरोप भी लगाया है। एक व्यक्ति पर पिस्टल निकालकर गोली मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। घटना को लेकर दो लोगों ने अलग–अलग तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस सीसीटीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। रामनगर कड़जहां निवासी दिलीप निषाद पुत्र रामाश्रय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह राजू स्वीट हाउस पर चाय पी रहा था। इसी दौरान वहां बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। आरोप है कि लोगों ने उसे घेर लिया और लात–घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। दिलीप के मुताबिक, मारपीट करने वाले लोग उस पर कुसम्ही रेलवे स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों से कोयला, गेहूं और चावल आदि की चोरी की मुखबिरी करने का आरोप लगा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान एक व्यक्ति ने पिस्टल निकालकर उसे गोली मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसकी करीब 15 ग्राम सोने की चेन और बुलेट बाइक भी छीन ली गई। घटना के बाद उसने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना को लेकर जगदीश पुत्र स्व. मोती ने भी पुलिस को अलग तहरीर दी है। उसने भी मारपीट का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस दोनों तहरीरों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

अपेंडिक्स ऑपरेशन के बाद भाजपा के बूथ अध्यक्ष की मौत, अस्पताल के बाहर शव रख परिजनों का हंगामा

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में मरीज की मौत के बाद मंगलवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना पर रामगढ़ताल पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। चिलुआताल थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी 35 वर्षीय राकेश यादव का अपेंडिक्स का ऑपरेशन शाही ग्लोबल हॉस्पिटल में कराया गया था। मृतक के जीजा जनार्दन यादव के मुताबिक, राकेश को चार अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि छह अगस्त को उन्हें जबरन डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद रात में तेज दर्द होने पर परिजन उन्हें दोबारा अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान डॉक्टर मरीज की बीमारी को समझ नहीं सके और इलाज में लापरवाही बरती गई। 10 अगस्त को हुई जांच में बीमारी गंभीर स्थिति में पहुंचने की बात सामने आई। रात करीब आठ बजे राकेश को लखनऊ ले जाने के लिए एंबुलेंस में लेटाया गया। इसी दौरान एंबुलेंस में उनकी मौत हो गई।

मौत के बाद परिजन रात में ही एंबुलेंस से शव निकालकर अस्पताल के पास बैठ गए। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे मृतक के गांव के लोग भी वहां पहुंच गए। इसके बाद शव को सड़क पर रखकर अस्पताल के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास करती रही।

परिजनों के मुताबिक, राकेश की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई। उनका आरोप है कि समय रहते बीमारी की सही पहचान नहीं होने के कारण उनकी हालत बिगड़ती चली गई। परिजन संबंधित डॉक्टर और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। राकेश की शादी करीब दस वर्ष पहले हुई थी। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। वह मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाते थे। उनके बड़े भाई बाहर रहते हैं। राकेश की मौत के बाद पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल है।

सीमा पर यूरिया तस्करी पकड़ी गई, कृषि विभाग की निगरानी पर सवाल, बिक्री व्यवस्था के बावजूद पहुंच रही खाद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल सीमा पर यूरिया खाद की तस्करी का मामला सामने आया है। मंगलवार–बुधवार की रात मोहाना थाना पुलिस और एसएसबी लीलाडीहवा की संयुक्त टीम ने ग्राम लीलाडीहवा में चेकिंग के दौरान 16 बोरी यूरिया खाद और चार साइकिलें बरामद कीं।

पुलिस और एसएसबी टीम को देखकर तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। बरामद खाद और अन्य सामान को कस्टम कार्यालय ककरहवा भेज दिया गया। थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में मोहाना पुलिस और एसएसबी लीलाडीहवा की संयुक्त टीम सीमा क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान टीम को यूरिया खाद की खेप मिली। तस्करों के मौके से फरार होने के बाद पुलिस ने बरामद 16 बोरी यूरिया और चार साइकिलों को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार बरामद यूरिया और साइकिलों को कस्टम अधिनियम की धारा 11 के तहत अग्रिम कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय ककरहवा भेजा गया है।

अब कस्टम स्तर से मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीमा क्षेत्र में यूरिया की बरामदगी के बाद खाद की आपूर्ति और तस्करी रोकने की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार ने उर्वरक बिक्री में पीओएस मशीन और आधार आधारित सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं लागू की हैं।

ऐसे में यह जांच का विषय है कि बरामद खाद किस माध्यम से सीमा क्षेत्र तक पहुंची। यदि बरामद खाद की बिक्री का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है तो संबंधित उर्वरक विक्रेता, बिक्री की तारीख और लाभार्थी का विवरण जांच में सामने आ सकता है। इसके लिए खाद की बोरियों के बैच नंबर, बिक्री रिकॉर्ड और पीओएस से जुड़े विवरण का मिलान किया जा सकता है।

सीमा क्षेत्र में पहले भी यूरिया की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में केवल खाद की बरामदगी तक कार्रवाई सीमित रहने के बजाय इसकी आपूर्ति के स्रोत की जांच भी महत्वपूर्ण है।

जांच में यह पता लगाया जा सकता है कि खाद कहां से खरीदी गई और इसे सीमा तक पहुंचाने में कौन–कौन लोग शामिल थे। फिलहाल पुलिस ने बरामद खाद और साइकिलों को कस्टम को सौंप दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई कस्टम जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगी।

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने की लोकमंगल की कामना

संवाददाता–गोरखपुर। पावन सावन माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि, सावन शिवरात्रि (मंगलवार) को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ क्षेत्र में स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा मंगलवार को, लगातार दूसरे दिन रुद्राभिषेक किया गया। मानसरोवर मंदिर से पहले उन्होंने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में रुद्राभिषेक किया था। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद शहद, दही, शर्करा, गोदुग्ध और जल से उनका अभिषेक किया।

गोरखनाथ मंदिर के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से चराचर जगत के कल्याण तथा प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

आवारा कुत्तों के झुंड ने 300 भेड़ों पर किया हमला, 120 की हो गई मौत

संवाददाता–गोरखपुर। कैंपियरगंज क्षेत्र में आवारा कुत्तों के झुंड ने रिगौली बंधे के किनारे मंगलवार तड़के तीन बजे 300 भेड़ों पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से भेड़ों में भगदड़ मच गई। एक–दूसरे के ऊपर चढ़ने और दबने से करीब 120 भेड़ों की मौत हो गई। मृत भेड़ों में बड़ी संख्या में गर्भवती भेड़ें भी शामिल बताई जा रही हैं। घटना से पशुपालक को भारी आर्थिक क्षति हुई है। भेड़पालक पिछले चार दिनों से रिगौली बंधे के किनारे रात में भेड़ों के साथ ठहरे हुए थे। मंगलवार रात बूंदाबांदी के दौरान चरवाहे भेड़ों के बच्चों को लेकर पास के एक खाली मकान में चले गए। दो चरवाहे भेड़ों की रखवाली के लिए वहीं रुके थे। इसी दौरान उनकी आंख लग गई। आरोप है कि इसी बीच राप्ती नदी स्थित श्मशान घाट की ओर से आठ–दस कुत्तों का झुंड पहुंचा और भेड़ों पर हमला कर दिया। चरवाहों के मुताबिक, कुत्तों ने भेड़ों को नोचना शुरू कर दिया। कुत्तों के हमले से बचने के लिए भेड़ों में भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में भेड़ें एक–दूसरे के ऊपर चढ़ गईं और दबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना

मिलने पर पशु चिकित्साधिकारी डा. राकेश कुमार द्विवेदी और मुकेश साहनी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल भेड़ों का उपचार किया। घटना के बाद क्षेत्र में ग्रामीणों और पशुपालकों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि करमैनी घाट श्मशान घाट के आसपास लंबे समय से कुत्तों के झुंड सक्रिय हैं, जो अंतिम संस्कार के बाद बचे शवों को खाकर आदमखोर हो चुके है। रिगौली, भैंसला और बेलौहा क्षेत्र में सैकड़ों बकरियों और दर्जनों दुधारू पशुओं पर भी कुत्तों के हमले का ग्रामीणों ने दावा किया है। उनका कहना है कि कुत्तों के झुंड रात में गांवों की ओर निकल आते हैं, जिससे लोगों में भय बना रहता है। ग्रामीण जितेंद्र सिंघानिया, रामनयन साहनी, संदीप साहनी और विकास कुमार ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई कि समय रहते कुत्तों के आतंक पर अंकुश नहीं लगाया गया तो बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। कैंपियरगंज के एसडीएम आलोक रंजन सिंह ने बताया कि घटना दुखद है। मामले की जांच कराई जाएगी और प्रशासन व शासन स्तर से नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राकेश द्विवेदी ने कहा कि करीब 120 भेड़ों की मौत हुई है। इसमें कुछ की भगदड़ से मौत हुई है तो कुछ को कुत्तों ने नोंच कर मार डाला है। मरने वालों 12 से अधिक भेड़ गर्भवती थी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

मूलवाद सं0– 02047 / 2021

धारा 34 / 209 ज उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान तहसीलदार (न्यायिक) बांसी जिला सिद्धार्थनगर

परसुराम

बनाम

दिनेश चन्द्र

बावत मौजा सुसौली तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

1. मोकादम 2. कुसहर 3. नन्दलाल पुत्रगण परशुराम साकिनान तेलौरा तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13–08–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 07 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कांग्रेस ने शुरू किया संगठन सृजन अभियान,जमीनी स्तर पर पार्टी ढांचे को मजबूत करने की तैयारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और नया ढांचा तैयार करने के लिए संगठन सृजन अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में, अभियान के पर्यवेक्षक गुंजन पटेल ने अम्बेडकरनगर का दौरा किया। पर्यवेक्षक पटेल ने जानकारी दी कि अहमदाबाद में हुए कांग्रेस अधिवेशन में देशभर में पार्टी संगठन को मजबूत करने का निर्णय लिया गया था। संगठन सृजन अभियान के सातवें चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और लद्दाख में संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया जारी है। अम्बेडकरनगर में इसी अभियान के तहत जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन आमंत्रित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जो कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखते हैं और लंबे समय से पार्टी के लिए सक्रिय हैं, यदि वे संगठन का नेतृत्व करना चाहते हैं, तो उनके नाम संकलित किए जाएंगे। इन नामों पर गहन विचार–विमर्श के बाद केंद्रीय नेतृत्व को सुझाव भेजे जाएंगे, जिसके बाद निर्धारित प्रक्रिया से जिलाध्यक्ष का चयन होगा।

अभियान के अगले चरण में केवल जिलाध्यक्ष ही नहीं, बल्कि ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष और उनकी पूरी कमेटियों का भी गठन किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करना और पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाना है। पर्यवेक्षक ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 138 संगठनात्मक जिलों के लिए 112 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। अम्बेडकरनगर में इस अभियान के तहत जिले की सभी पांच विधानसभाओं और नौ ब्लॉकों तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया जाएगा। सभी ब्लॉकों से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। गुंजन पटेल ने कांग्रेस की मूल विचारधारा पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक समरसता और धर्मनिरपेक्षता इसके महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। श्भारत जोड़ो आंदोलनश् और राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से जिन मूल्यों को जनता तक पहुंचाया गया, संगठन सृजन अभियान के जरिए उन्हें और अधिक मजबूती से जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और ब्लॉकों में रिपोर्टिंग की प्रक्रिया 30 अगस्त तक पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नेपाल में बढ़ती मुस्लिम आबादी से बढ़ी हिंदू राष्ट्र की मांग, 10 साल में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पड़ोसी देश नेपाल के सुनसरी में हुई हिंसा की आंच मधेश तक पहुंच गई है। नेपाल में जनसांख्यिकी बदलावों के कारण बदल रहे सामाजिक समीकरण पर चर्चा के साथ ही हिंदू राष्ट्र की मांग तेज हो गई है। नेपाल की जनगणना के आंकड़े बता रहे हैं कि पड़ोसी मुल्क के मधेश प्रांत में जनसांख्यिकी का चेहरा भी धीरे–धीरे बदल रहा है। एक दशक में जहां मुस्लिम आबादी में तीन फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, 2021 से 26 के बीच भी वृद्धि दर दो फीसदी तक रहने का अनुमान है। जुलाई–2026 के अंतिम सप्ताह में नेपाल के सुनसरी जिले के दीवानगंज में हिंदू–मुस्लिम विवाद के बाद हिंसा हुई। इसके बाद विश्व हिंदू महासंघ और कई अन्य संगठनों ने मधेश इलाके में पिछले एक दशक के दौरान हुए जनसांख्यिकी बदलाव पर चिंता जाहिर की।

नेपाल की सुरक्षा से जुड़े जानकारों के मुताबिक, मधेश प्रदेश के जिलों में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है। बाहरी लोग आकर शरण ले रहे हैं। बढ़ती आबादी और बाहर से लोगों के आने से नेपाल में सामाजिक समीकरण तेजी से बदल रहा है। नेपाल के आधिकारिक सूत्रों से मिली नेपाल की 2021 की आधिकारिक जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, रौतहट में मुस्लिम आबादी कुल आबादी की 22.5 प्रतिशत थी, जो देश के सभी जिलों में सर्वाधिक है। वहीं, मधेश प्रदेश में मुस्लिम आबादी का अनुपात 13.3 प्रतिशत रहा जो नेपाल के प्रांतों में सबसे अधिक है। सूत्रों का कहना है कि अब जनगणना वर्ष 2031 में होगी पर इन पांच वर्षों की आंतरिक रिपोर्ट बता रही है कि हर जिले में मुस्लिम आबादी दो फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय क्षेत्र में भी हलचलसूत्रों के मुताबिक, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बलरामपुर और आसपास के भारतीय सीमावर्ती जिलों का नेपाल के तराई क्षेत्र से सीधा संपर्क है। मधेश के जिलों में होने वाली सामाजिक या सांप्रदायिक हलचल का असर भारतीय क्षेत्र में भी महसूस किया जा सकता है। ऐसे में जनसंख्या के आंकड़ों के साथ यह भी जांच का विषय है कि पिछले एक दशक में धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक लामबंदी, स्थानीय विवादों और सोशल मीडिया की गतिविधियों में किस तरह का बदलाव आया है। नेपाल की सुरक्षा से जुड़े एक पूर्व अधिकारी के अनुसार, नेपाल में हर 10 वर्ष पर जनगणना होती है। वर्ष–2011 के बाद 2021 में हुई जनगणना के आंकड़े सीमावर्ती जिलों के बदलते सामाजिक स्वरूप की तस्दीक करते हैं। जनगणना के धर्म संबंधी आंकड़ों के अनुसार, नेपाल की मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा तराई के जिलों में है।

पूर्व अधिकारी के मुताबिक, कुछ मामलों में बाहरी लोगों की संदिग्ध गतिविधियों की स्थानीय स्तर पर जांच की गई और सुरक्षा एजेंसियों ने भी ऐसे मामलों की पड़ताल की गई। इसमें कुछ संदिग्ध लोग नेपाल में रहकर कथित तौर पर ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए गए, जिनका प्रभाव नेपाल की सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है। एजेंसियों के मुताबिक नई उम्र के युवाओं को धर्म की आड़ में बरगलाया जा रहा है। यहां धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों को उकसाने की बातें भी सामने आई हैं। विश्व हिंदू महासंघ नेपाल, कपिलवस्तु के जिला सचिव विनोद चौधरी ने कहा कि सुनसरी में हुए सांप्रदायिक तनाव के मद्देनजर सरकार ने हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग पर विचार के लिए एक माह का समय मांगा है। उन्होंने कहा कि एक अगस्त को धनुषा जिले में संयुक्त हिन्दू मोर्चा और गृहमंत्री सूदन गुरुंग के बीच हुए समझौते के तहत लिए सरकार के इस निर्णय से संगठन सहमत है। देश में विशेष समुदाय के लोगों की कथित घुसपैठ और अवैध रूप से बसने तथा उनकी बढ़ती जनसंख्या को लेकर महासंघ चिंतित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व हिन्दू महासंघ नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग जारी रखेगा। सुनसरी में हिंसा के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। फिलहाल, यहां स्थिति सामान्य है। प्रशासन और पुलिस संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर नजर बनाए हुए हैं।

एसडीआरएफ ने आमी नदी में डूबे व्यक्ति का बरामद किया शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बेलहर थाना क्षेत्र में अंतिम संस्कार के बाद आमी नदी में डूबे व्यक्ति का शव दूसरे दिन बरामद हुआ। वह बखिरा क्षेत्र के कुसुरू खुर्द का निवासी था। मंगलवार को आई एसडीआरएफ की टीम ने शव को बरामद किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बखिरा थाना क्षेत्र के कुसुरू खुर्द निवासी रामधनी (65) पुत्र हरिद्वार सोमवार को गांव की एक महिला के दाह संस्कार में शामिल होने गए थे। शव का अंतिम संस्कार होने के बाद सभी के साथ वे भी नदी में नहाने चले गए। इसी दौरान पैर फिसलने से वह नदी की गहराई में चले गए और लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने नदी में काफी देर तक रामधनी की तलाश की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। ग्रामीणों ने बेलहर थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बेलहर पुलिस तलाश करवाया। सफलता नहीं मिलने पर गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। मंगलवार को आई एसडीआरएफ की टीम ने शव की तलाश शुरू की। मंगलवार की दोपहर में शव को बरामद कर लिया पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**

dainikbhartiyabasti@gmail.com